राजकीय-संस्कृत-महाविद्यालयः
सुन्दरनगरम्

विवरणिका
२०२५-२६

01907-262510, 265510

gscsundernagarhp@gmail.com

www.gscsundernagar.in

सरस्वती – स्तवनम्

या कुन्देन्दुतुषारहारधवला या शुभ्रवस्त्रावृता,
या वीणावरदण्डमण्डितकरा या श्वेतपद्मासना ।
या ब्रह्माच्युतशङ्करप्रभृतिभिर्देवैः सदा वन्दिता,
सा मां पातु सरस्वती भगवती निःशेषजाड्यापहा ।।

❖❖❖❖❖

शुक्लां ब्रह्मविचारसारपरमामाद्यां जगद्व्यापिनीं,
वीणापुस्तकधारिणीमभयदां जाड्यान्धकारापहाम् ।
हस्ते स्फाटिकमालिकां विदधतीं पद्मासने संस्थितां,
वन्दे तां परमेश्वरीं भगवतीं बुद्धिप्रदां शारदाम् ।।

❖❖❖❖❖

या विद्या शिवकेशवादिजननी या वै जगन्मोहिनी,
या पञ्चप्रणवद्विरेफनलिनी या चित्कलामालिनी।
या ब्रह्मादिपिपीलिकान्ततनुषु प्रीता जगत्साक्षिणी,
सा पायात्सरदेवता भगवती श्रीराजराजेश्वरी।।

❖❖❖❖❖

केयूराणि न भूषयन्ति पुरुषं हारा न चन्द्रोज्ज्वलाः,
न स्नानं न विलेपनं न कुसुमं नालङ्कृता मूर्धजाः ।।
वाण्येका समलङ्करोति पुरुषं या संस्कृता धार्यते,
क्षीयन्तेऽखिलभूषणानि सततं वाग्भूषणं भूषणम् ।।

❖❖❖❖❖

उत्तिष्ठत जाग्रत प्राप्य वरान्निबोधत।
क्षुरस्य धारा निशिता दुरत्यया दुर्ग पथस्तत्कवयो वदन्ति ।।

❖❖❖❖❖

ॐ सह नाववतु, सह नौ भुनक्तु, सह वीर्यं करवावहै ।
तेजस्विनावधीतमस्तु, मा विद्विषावहै ।।

ॐ शान्तिः! शान्तिः!! शान्तिः!!!

"विद्या ह वै ब्राह्मणमाजगाम गोपाय मा शेवधिष्टेऽहमस्मि,
असूयकायानृजवेऽयताय न मा ब्रूया वीर्यवती तथा स्याम्"

राजकीय - संस्कृत - महाविद्यालयः सुन्दरनगरम् (हि. प्र.)

विवरणिका

सत्रम् : २०२५–२०२६

PROSPECTUS

2025-2026

Govt. Sanskrit College, Sunder Nagar (H.P.)-175019
Phone : 01907-262510, 265510
E-mail : gscsundernagarhp@gmail.com | Website : www.gscsundernagar.in

प्राचार्य – संदेश

भारतीय संस्कृति एवं देव वाणी संस्कृत भाषा के रक्षण एवं संवर्धन में प्रतिक्षण तत्पर एवं अग्रणी यह महाविद्यालय पण्डित सूरजमणिसूरी जी ने भारतीय संस्कृति के संरक्षण के भाव से 1923 ई. को माँ भगवती त्रिपुर सुन्दरी के पार्श्व में भगवान नृसिंह मन्दिर के परिसर में एक 'लघु संस्कृत पाठशाला' के नाम से स्थापित किया था। सुन्दरनगर में अवस्थित संस्कृति तथा संस्कारयुक्त ''राजकीय संस्कृत महाविद्यालय''(पुराना बाजार) शिक्षा पद्धति को समर्पित यह संस्थान हिमाचल प्रदेश के ही नहीं अपितु भारत वर्ष के अग्रणी संस्कृत संस्थानों में अद्वितीय स्थान रखता है। सन् 1923 से समाज कल्याण तथा शिक्षा के विकास के उद्देश्य से प्रगति के पथ पर अनवरत कार्यरत है। 1947 ई. से पूर्व यह संस्थान 'पंजाब विश्वविद्यालय लाहौर के साथ सम्बद्ध रहा। ''1947 से 1971 ई. तक पंजाब विश्वविद्यालय चण्डीगढ़ से सम्बद्ध होकर यहाँ प्राज्ञ, विशारद, शास्त्री तथा आचार्य की कक्षाएँ संचालित होती रही हैं। 1970 ई. में हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय शिमला की स्थापना के पश्चात् इससे अनुमोदित (Affiliated) होकर इसकी परीक्षाओं का संचालन होता रहा है। वर्तमान में 2022 ई. से सरदार पटेल विश्वविद्यालय मण्डी के साथ सम्बद्ध है। यह महाविद्यालय परम्परा से संस्कृत के देश की उन विशिष्ट संस्कृत संस्थाओं में प्रमुख स्थान रखता है जहाँ प्राच्य वैदिकशास्त्रीय संस्कृत साहित्य/लौकिक/व्याकरण, दर्शन, ज्योतिष तथा वेद आदि विषयों का अध्ययन करके छात्र भारतीय संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन का अति पुनीत कार्य कर रहे हैं। वर्तमान में प्राचीन विषयों के साथ-साथ समयानुकूल अंग्रेजी/हिन्दी जैसी आधुनिक भाषाओं, राजनीति शास्त्र, इतिहास और कम्प्यूटर शिक्षा आदि का सायुज्य करके विश्वविद्यालय द्वारा पाठयक्रम को अधिक उपयोगी, व्यावहारिक तथा समय सापेक्ष बनाया गया है ताकि हमारे छात्र समय के साथ कदम मिलाकर आगे बढ़ सकें।

प्रदेश में ही नहीं अपितु सम्पूर्ण उत्तर भारत में अपनी विद्वत्ता के गौरव की पताका से इस क्षेत्र के यश का सम्पूर्ण भारत वर्ष में शाश्वत प्रचार-प्रसार करने वाला यह संस्थान प्राचीन एवं नित्य नवीन ज्ञान के मूल स्रोत वेद से लेकर आधुनिक ज्ञान के पूर्ण परिचायक संगणक तक सभी पारम्परिक एवं आधुनिक विधाओं के द्वारा अद्वितीय एवं सर्वजन मान्य विद्वानों के निर्माण तथा समाज की सेवा में समर्पण, इस ज्ञान रूपी यज्ञ को निरन्तर संचालित करते हुए 100 वर्षों से अखण्ड तपः साधना में पूर्णतया तल्लीन है।

प्राचार्य
डा. खुशवन्तसिंहः
राजकीय संस्कृत महाविद्यालय
सुन्दरनगर

आचार्यवर्गः

साहित्यविभागः

डॉ. खुशवन्तसिंहः
सहायकाचार्यः (Asst. Prof.)
दूरभाषः +91 – 94594 – 4003 3
+91 – 70183 – 29099
E-mail : khushwant082@gmail.com

साहित्याचार्यः, नैट्, बी. ऐड्., पीएच्. डी.
Qualified Dept. Exam.

डॉ. मनजीतकुमारः
सहायकाचार्यः (Asst. Prof.)
दूरभाषः +91 – 98160 – 18091
E-mail : manjeetsharmaa05@gmail.com

साहित्याचार्यः, नैट्, ऐम्. ए. संस्कृतम्, नैट्, जे. आर्. ऐफ्., पीएच्. डी.

दर्शनविभागः

डॉ. तिलकराज
सहायकाचार्यः (Asst. Prof.)
दूरभाषः +91 – 98173 – 3 1596
E-mail : tilak084@gmail.com

दर्शनाचार्यः, ऐम्. ए. संस्कृतम्, नैट्, बी. ऐड्., पीएच्. डी.

ज्योतिषविभागः

डॉ. सुशीलगौतमः
सहायकाचार्यः (Asst. Prof.)
दूरभाषः +91 – 70185 – 40463
+91 – 98054 – 15090
E-mail : sushilgautam934@gmail.com

ज्योतिषाचार्यः, (स्वर्णपदक) पीएच्. डी.

व्याकरणविभागः

डॉ. रोहित कुमारः
सहायकाचार्य : (Asst. Prof.)
दूरभाषः +91 – 88948 – 1423 8
E-mail : shrohit2050@gmail.com

व्याकरणाचार्य : (NET)
पीएच्. डी.

आचार्यः अक्षयकुमारः
सहायकाचार्यः (Asst. Prof.)
दूरभाषः +91 – 94590 – 46650
E-mail : akshukashyap3297@gmail.com

(Under Local PTA)
व्याकरणाचार्यः, ज्योतिषाचार्यः, दर्शनाचार्यः
ऐम्. ए. संस्कृतम्, शिक्षा शास्त्री (बी. ऐड्.)

वेदविभागः

रिक्तपदम्

धर्मशास्त्रविभाग:

रिक्तपदम्

हिन्दीविभाग:

श्रीमती वन्दना कुमारी
सहायक आचार्या (Asst. Prof.)
दूरभाष: +91 – 94182 – 82677
E-mail : vandana6862@gmail.com

ऐम्. ए. हिन्दी, नैट्, सैट्, बी. ऐड्.

आङ्ग्लविभाग:

श्रीमती ममता शर्मा
सहायक आचार्या (Asst. Prof.)
दूरभाष: +91 – 98166 – 58247
E-mail : mamta65892@gmail.com

ऐम्. ए. इङ्ग्लिश्, बी. ऐड्.
(Under Local PTA)

राजनीति शास्त्र

श्रीमती रमा कुमारी
सहायक आचार्या (Asst. Prof.)
दूरभाष: +91 – 88949 – 37402
E-mail : ramachauhanrc1@gmail.com

ऐम्. ए. राजनीति शास्त्र, बी.ऐड्.
(Under Local PTA)

कार्यालय वर्ग

श्रीमती अरूणा शर्मा
कार्यालय अधीक्षक ग्रेड् – II
दूरभाष: 70187 – 31045

सुश्री शिल्पा
कनिष्ठ कार्यालय सहायक
(JOA-IT)

श्रीमती दीपा देवी
कार्यालय सहायक
(Under Local PTA)

श्री संजीव कुमार
सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष
दूरभाष: 70183 – 58776

श्रीमती देविका
छात्रावास वार्डन्
(Under Local PTA)
दूरभाष: 78761 – 02093

श्रीमती प्रेमलता
सेवादार
दूरभाष: 86791 – 56883

श्रीमती रमा देवी
सेवादार
दूरभाष: 70180 – 86889

श्रीमती मीना देवी
सेवादार
दूरभाष: 98823 – 36499

श्रीमती रामप्यारी
सफाई कर्मचारी

"नत्वा दिव्याम्बरां देवीं ज्ञानरूपां सरस्वतीम् ।
सादरमभिनन्देऽहं गुरून् तत्त्वगुणान्वितान् ।।"

महाविद्यालय का संक्षिप्त इतिहास

'**संस्कृतिः संस्कृताश्रिता**' के शाश्वत् सिद्धान्त को समर्पित माँ भगवती त्रिपुर सुन्दरी तथा नृसिंह देव के दिव्यधाम सुन्दरनगर (पुराना बाजार) में अवस्थित संस्कृति तथा संस्कारयुक्त शिक्षा पद्धति को समर्पित "राजकीय संस्कृत महाविद्यालय-सुन्दरनगर" यह संस्थान हिमाचल प्रदेश के ही नहीं अपितु भारतवर्ष के अग्रणी संस्कृत संस्थानों में अद्वितीय स्थान रखता है। यह महाविद्यालय तत्कालीन सुकेत-रियासत (सुन्दरनगर) के धर्मपरायण महाराजा लक्ष्मण सेन जी ने भारतीय संस्कृति के संरक्षण के भाव से 1923 ई० को माँ भगवती त्रिपुर सुन्दरी के पार्श्व में भगवान नृसिंह मन्दिर के परिसर में एक 'लघु संस्कृत पाठशाला' के नाम से स्थापित किया था। 1947 ई० से पूर्व यह संस्थान 'पञ्जाब विश्वविद्यालय लाहौर" के साथ सम्बद्ध रहा। 1947 से 1971 ई० तक 'पञ्जाब विश्वविद्यालय चण्डीगढ़" से सम्बद्ध होकर यहाँ प्राज्ञ, विशारद, शास्त्री तथा आचार्य की कक्षाएँ संचालित होती रही हैं। 1971 ई० में हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय- शिमला की स्थापना के पश्चात् इससे अनुमोदित (Affiliated) होकर इसकी परीक्षाओं का संचालन हो रहा है। वर्तमान में (2022 ई० से) सरदार पटेल विश्वविद्यालय मण्डी के साथ सम्बद्ध है। यह महाविद्यालय देश की उन विशिष्ट संस्कृत संस्थाओं में प्रमुख स्थान रखता है जहाँ प्राच्य-परम्परा से संस्कृत के वैदिक/लौकिक/शास्त्रीय संस्कृत-साहित्य, व्याकरण, दर्शन, ज्योतिष तथा वेद आदि विषयों का अध्ययन करके छात्र दुर्लभ भारतीय संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन का अति पुनीत कार्य कर रहे हैं। वर्तमान में प्राचीन विषयों के साथ-साथ समयानुकूल अंग्रेजी/हिन्दी जैसी अन्य आधुनिक भाषाओं, राजनीति शास्त्र, इतिहास और कम्प्यूटर शिक्षा आदि का सायुज्य करके विश्वविद्यालय द्वारा पाठ्यक्रम को अधिक उपयोगी, व्यावहारिक तथा समय सापेक्ष बनाया गया है ताकि हमारे छात्र समय के साथ कदम मिलाकर आगे बढ़ सकें।

महाविद्यालय की सुविधाएँ

1. सी.सी.टी.वी कैमरे से सुरक्षित परिसर।
2. आई.टी. लैब
3. पुस्तकालय (12000 से अधिक पुस्तकें)
4. पुस्तकालय अध्ययन कक्ष की सुविधा
5. जलपान गृह
6. स्वच्छ जल (आर.ओ.) गर्म तथा ठण्डा
7. पर्याप्त शौचालय

महाविद्यालयीय कक्षाएँ

(क) प्राक् शास्त्री-प्रथम वर्ष } (10 + 1) के समकक्ष।
प्राक् शास्त्री-द्वितीय वर्ष } (10 + 2) के समकक्ष।

(ख) शास्त्री-प्रथम वर्ष
शास्त्री-द्वितीय वर्ष
शास्त्री-तृतीय वर्ष } रूसा प्रक्रिया के अनुसार तीन वर्षीय शास्त्री डिग्री कोर्स।

प्रवेशार्थ आवश्यक योग्यता

प्राक् – शास्त्री प्रथम वर्ष में प्रवेशार्थ योग्यता : –

- किसी भी मान्यता प्राप्त बोर्ड से दसवीं कक्षा/पूर्व-मध्यमा (द्वितीय-खण्ड) अथवा विद्या-अधिकारी की परीक्षा उत्तीर्ण की हो।

प्राक् – शास्त्री द्वितीय – वर्ष में प्रवेशार्थ योग्यता : –

- हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय/सरदार पटेल विश्वविद्यालय से प्राक्-शास्त्री प्रथम वर्ष की परीक्षा उत्तीर्ण की हो।

शास्त्री प्रथम वर्ष में प्रवेशार्थ योग्यता : –

1. हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय/सरदार पटेल विश्वविद्यालय से प्राक्-शास्त्री द्वितीय वर्ष की परीक्षा उत्तीर्ण की हो।
2. हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय/सरदार पटेल विश्वविद्यालय के द्वारा मान्यता प्राप्त बोर्ड से 10 + 2 की कक्षा संस्कृत विषय के साथ उत्तीर्ण की हो अथवा जिन विद्यार्थियों ने 10 + 2 में संस्कृत विषय नहीं पढ़ा है वे भी शास्त्री प्रथम वर्ष में प्रवेश ले सकते हैं। इस हेतु विश्वविद्यालय द्वारा अनुमोदित 50 अंक का प्रश्नपत्र वार्षिक परीक्षा में उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा।

आयु सीमा : –

हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के पत्र संख्या 4-20/2015-एच.पी.यू (शै0) दिनांक 23 जून 2017 के अनुसार प्राक-शास्त्री, शास्त्री, विशिष्ट-शास्त्री तथा आचार्य कक्षाओं में आयु सीमा के वे सभी नियम मान्य होंगे, जिनका उल्लेख हि.प्र. विश्वविद्यालय के अध्यादेश में अनुच्छेद 3.3 (ए) में किया गया है।

क्र.स.	श्रेणी	आयु सीमा	टिप्पणी
1.	सामान्य (छात्र)	23 वर्ष	1 जुलाई 2025 तक यदि किसी छात्र (सामान्य वर्ग) की आयु 23 वर्ष, छात्रा (सामान्य वर्ग) की आयु 25 वर्ष तथा एस.सी./एस.टी. छात्र या छात्रा की आयु 26 वर्ष पूर्ण हो चुकी हो तो महाविद्यालय में प्रवेश केवल माननीय कुलपति जी की अनुमति के (अधिक से अधिक छः माह की) पश्चात् ही प्राप्त होगा।
2.	सामान्य (छात्रा)	25 वर्ष	
3.	एस.सी./एस.टी. (छात्र/छात्रा)	26 वर्ष	

शास्त्री (B.A. Honours, Classics) : –

हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के अध्यादेश 2002, खण्ड-1 अनुच्छेद 8.70 तथा 8.71 के अनुसार विशिष्ट शास्त्री का अभिप्राय ऐसे पाठ्यक्रम से है, जिसमें विद्यार्थी विशिष्ट-शास्त्री की निर्धारित समयावधि में संस्कृत-पाठ्यक्रमों के अतिरिक्त दो संस्कृत भिन्न पाठ्यक्रमों का भी अध्ययन करता है। इन दोनों संस्कृत-भिन्न पाठ्यक्रमों में से English और हिन्दी/राजनीतिक शास्त्र/इतिहास का पाठ्यक्रम B.A. स्तर पर पढ़े जाने वाले पाठ्यक्रम के समान प्रत्येक विद्यार्थी को पढ़ना होगा।

प्रवेशार्थ अपेक्षित प्रमाणपत्र

1. महाविद्यालय में समस्त कक्षाओं का प्रवेश online (www.gscsundernagar.in) माध्यम से ही किया जायेगा।
2. आवेदक छात्र प्रवेश पत्र को भरने से पूर्व विवरणिका में दिये गये सम्पूर्ण निर्देशों एवं नियमों का पूर्णतया अध्ययन करें। प्रवेश-पत्र से संबन्धित किसी भी प्रकार का सन्देह होने पर उसके निराकरण के लिये महाविद्यालय की प्रवेश समिति एवं कार्यालय से सम्पर्क करें। अपूर्ण आवेदन-पत्र अथवा अस्पष्ट प्रमाण-पत्रों के आधार पर प्रवेश स्वीकार्य नहीं होगा।
3. विश्वविद्यालय/बोर्ड अथवा मान्यता प्राप्त संस्था से उत्तीर्ण पूर्व परीक्षा के प्रमाण-पत्रों की स्वयं प्रमाणित प्रतिलिपियाँ संलग्न करें।
4. चरित्र-प्रमाण-पत्र पूर्व संस्था के प्रधानाचार्य/प्राचार्य के द्वारा अथवा संस्था प्रमुख जहाँ अभ्यर्थी ने अध्ययन किया हो।
5. विद्यालय त्याग प्रमाण-पत्र (School Leaving Certificate) पूर्व संस्था के प्रधानाचार्य के द्वारा अथवा संस्था प्रमुख जहाँ अभ्यर्थी ने अध्ययन किया हो।
6. विशेष वर्ग का प्रमाण-पत्र यदि प्रवेशार्थी SC/ST/OBC, दिव्यांगता (अन्यथासक्षम) से संबन्ध रखता हो।
7. आवेदक अपने आवेदन-पत्र के साथ उपुर्यक्त प्रमाण-पत्रों की स्वयं सत्यापित प्रतियाँ अवश्य लगायें एवं प्रवेश शुल्क जमा कराने से पूर्व महाविद्यालय की प्रवेश-समिति के द्वारा सम्पूर्ण आवेदन-पत्र की जाँच अनिवार्यतया करवायें। शिक्षण अवधि में यदि कोई प्रमाण-पत्र असत्य पाया जाता है तो छात्रा/छात्र का प्रवेश/नामांकन स्वयं निरस्त हो जायेगा और नियम संगत अन्य कार्यवाही की जा सकती है।
8. किसी भी छात्रा/छात्र के विरुद्ध अनुशासनहीनता, अमर्यादित आचरण, रैंगिग संबन्धित अपराध, दुर्व्यवहार आदि की शिकायत प्राप्त होने पर महाविद्यालय की अनुशासन समिति के द्वारा छात्रा/छात्र का पंजीकरण निरस्त किया जा सकता है।

प्रवेशार्थ आवश्यक निर्देश

1. हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय से प्राक्-शास्त्री द्वितीय वर्ष की परीक्षा उत्तीर्ण की हो अथवा हि.प्र. के द्वारा मान्यता प्राप्त बोर्ड से 10 + 2 परीक्षा उत्तीर्ण छात्र को सरदार पटेल विश्वविद्यालय की रूसा प्रक्रिया के अधीन शास्त्री प्रथम वर्ष में प्रवेश मिलेगा।
2. विश्वविद्यालयीय रूसा परीक्षा में कम्पार्टमैंट/री-अपीयर छात्रों को भी उत्तीर्ण छात्रों की तरह ही रोल ऑन आधार पर अस्थायी प्रवेश मिलेगा। अनुपूरक परीक्षा में उत्तीर्ण होने पर ही उनका प्रवेश स्थायी होगा।
3. कोई छात्र या छात्रा किसी भी कक्षा में लगातार दो बार अनुत्तीर्ण होता है तो उसी कक्षा में तीसरी बार प्रवेश नहीं मिलेगा।
4. किसी भी कक्षा में सभी संस्कृत विषयों में अनुत्तीर्ण छात्र को भी उसी कक्षा में पुन: प्रवेश नहीं मिलेगा।
5. विश्वविद्यालयीय नए नियमों के अनुसार शास्त्री-I,II,III तक का पाठ्यक्रम छात्र को 5 वर्षों में पूरा करना होगा।
6. अनुत्तीर्ण छात्र को अगली कक्षा में बैठने की अनुमति नहीं होगी।

प्रवेश के समय देय शुल्क

(क)	**महाविद्यालय विवरणिका शुल्क**		₹ 100.00	
(ख)	**प्रवेश शुल्क**		₹ 25.00	वार्षिक
1.	पुन: प्रवेश शुल्क (प्रथम बार)		₹ 100.00	(नाम कटने पर)
	पुन: प्रवेश शुल्क (द्वितीय बार)		₹ 200.00	(नाम कटने पर)
2.	प्रवेश विलम्ब शुल्क सहित (निश्चित तिथि के बाद)		₹ 10.00	प्रति दिन (10 दिन तक)
3.	मासिक शिक्षा शुल्क (Tuition Fee)		(संस्कृत छात्रों के लिए छूट)	
(ग)	**महाविद्यालयीय वार्षिक निधि (फण्ड्ज़)**			
1.	पुस्तकालय रक्षाधन (प्रत्यावर्तनीय)		₹ 100.00	
2.	गृह परीक्षा शुल्क		₹ 50.00	
3.	चिकित्सा शुल्क		₹ 6.00	
4.	परिसर विकास एवं सौन्दर्यीकरण निधि		₹ 10.00	
5.	पुस्तक बदलाव शुल्क		₹ 25.00	
6.	फर्नीचर मुरम्मत शुल्क		₹ 20.00	
7.	परिचय पत्र शुल्क		₹ 15.00	
8.	वार्षिक पत्रिका शुल्क		₹ 50.00	
9.	उत्सव निधि		₹ 20.00	
10.	छात्र सहायता शुल्क		₹ 02.00	
11.	सांस्कृतिक गतिविधियाँ शुल्क		₹ 20.00	
12.	कम्प्यूटर तथा इन्टरनैट सुविधा शुल्क		₹ 20.00	
13.	छात्र कल्याण शुल्क		₹ 10.00	
14.	रैड क्रास शुल्क		₹ 40.00	
15.	केन्द्रीय छात्र परिषद् शुल्क		₹ 50.00	
(घ)	**महाविद्यालयीय मासिक निधि (फण्ड्ज़)**	**मासिक**	**वार्षिक**	
1.	मिश्रित निधि (Amalgamated Fund)	₹ 25.00	₹ 300.00	
2.	क्रीड़ा शुल्क	₹ 20.00	₹ 240.00	
3.	भवन निधि	₹ 10.00	₹ 120.00	
4.	रोवर एण्ड रेंजर शुल्क	₹ 05.00	₹ 60.00	
5.	प्राध्यापक-अभिभावक संघ (PTA) निधि		₹ 2500.00	वार्षिक (PTA) द्वारा निर्धारित

(ड़) **विश्वविद्यालयीय शुल्क**

1.	विश्वविद्यालय विकास निधि	₹ 200.00
2.	वार्षिक परीक्षा शुल्क	
	प्राक् शास्त्री - I, प्राक् शास्त्री - II के छात्रों से परीक्षा के समय लिया जाएगा	₹ 800.00
	RUSA-शास्त्री - I वर्ष से शास्त्री - III वर्ष के छात्रों से	₹ 800.00
	(परीक्षा फार्म भरते समय ऑन लाईन जमा करने होंगे।)	

(च) **छात्र द्वारा प्रवेश के समय कुल देय राशि**

1.	प्राक् शास्त्री - I	₹ 3983.00
2.	प्राक् शास्त्री - II	₹ 3883.00
3.	शास्त्री प्रथम वर्ष	₹ 3983.00
4.	शास्त्री द्वितीय एवं तृतीय वर्ष	₹ 3883.00

छात्रावास शुल्क विवरण

		वार्षिक
1.	कक्ष शुल्क ₹ 30 (मासिक)	₹ 360.00
2.	छात्रावास प्रवेश शुल्क	₹ 1000.00
3.	छात्रावास रक्षाधन (प्रत्यावर्तनीय)	₹ 500.00
4.	फर्नीचर रक्षाधन	₹ 100.00
5.	अटैण्डेण्ट/कर्मचारी शुल्क (25 रु. मासिक)	₹ 300.00
6.	कॉमन रूम शुल्क (10 रु. मासिक)	₹ 120.00
7.	पानी व्यवस्था शुल्क (25 रु. मासिक)	₹ 120.00
8.	विद्युत व्यय शुल्क (30 रु. मासिक)	₹ 1800.00
9.	सफाई कर्मचारी व्यय (15 रु. मासिक)	₹ 180.00
10.	छात्रावास भवन रख-रखाव व्यय	₹ 1000.00
11.	छात्रावासीय परिचय पत्र	₹ 20.00
12.	लिपिकीय सहायता शुल्क (5 रु. मासिक)	₹ 60.00
13.	बर्तन निधि	₹ 30.00
14.	टूट-फूट Depreciation Charges	₹ 100.00
	योग (नए छात्रों से)	**₹5690.00**
	योग (पुराने छात्रों से)	**₹ 5190.00**

किसी भी व्यवस्थागत नियम के उल्लंघन पर छात्रावासाध्यक्ष की अनुशंसा से किसी भी प्रकार के आर्थिक दण्ड निलम्बन अथवा निष्कासन का विशेषाधिकार प्राचार्य महोदय को होगा।

पाठ्यक्रम तथा विषय चयन

क्र.स.	कक्षा	अनिवार्य विषय	ऐच्छिक	टिप्पणी
1.	प्राक् शास्त्री - I, II	व्याकरण, साहित्य, अनुवाद, दर्शन, अंग्रेजी	हिन्दी/राजनीति शास्त्र	हिन्दी/राजनीति शास्त्र इनमें से कोई एक विषय
2.	शास्त्री - I, II, III	व्याकरण, साहित्य, अंग्रेजी	दर्शन, वेद, ज्योतिष	इनमें से कोई दो विषय
			हिन्दी/राजनीति शास्त्र	इनमें से कोई एक विषय

प्राक्शास्त्री प्रथम वर्ष

क्र.स.	विषय	पुस्तक का नाम	प्रकरण	अंक
1.	व्याकरण	लघुसिद्धान्त कौमुदी	संज्ञा प्रकरण	3
			सन्धि प्रकरण	10
			षड्लिंग प्रकरण	20
			अव्यय प्रकरण	5
			तद्धित प्रकरण	16
			समास प्रकरण	10
			विभक्त्यर्थ प्रकरण	3
			स्त्रीप्रत्यय प्रकरण	4
			सूत्रों के अर्थ और उनकी उदाहरणों में संगति	8
2.	काव्य नाटक	रघुवंश	प्रथम और द्वितीय सर्ग	20
		स्वप्नवासवदत्त	सम्पूर्ण	45
		वृत्तरत्नाकर	अनुष्टुप्, इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, वंशस्थ, द्रुतविलम्बित, भुजंगप्रयात, प्रहर्षिणी, वसन्ततिलका, मालिनी, मन्दाक्रान्ता, शिखरिणी, हरिणी, शार्दूलविक्रीडितम्, स्रग्धरा, विद्युन्माला, पंचचामर, त्रोटक, आर्या, गीति, मालती, तामरस	15
3.	अनुवाद तथा गद्य-पद्य	अनुवादचन्द्रिका (निम्न शब्दों का कण्ठस्थीकरण)	क. संस्कृत वाक्यरचना •विपद्, सरित्, मरुत्, वाच्, दिश्, राजन्, आत्मन्, युवन्, विद्वस्, जगत्, नामन्, ब्रह्मन्, मनस्, धनुष् तथा इनके समान अन्य शब्द। विद्यार्थी करिन्, भगवत्, धनवत्, बुद्धिमत्, भवत्, तादृश, तावत्, कियत्, पठत् तथा इनके समान •राम, नर, मुनि, हरि, गति, सखि, कर्तृ, पितृ, भ्रातृ, गो, रमा, मति, नदी, धेनु, वधू, मातृ, फल, वारि, दधि, बहु तथा इनके समान अन्य शब्द। • केवल लट्, लृट्, लङ्, लोट्, लकारों में निम्न धातुओं के तिङन्त रूपों का कण्ठस्थीकरण : क. भ्वादिगण - भू, पठ्, वद्, गम्, पा, दृश्, जि, स्था, स्मृ, खाद्, हस्, रक्ष्, मुद्, कम्प्, भज्, लभ्, वृध्, भृ, धृ, नी, पच्, यज्, याच्, वृत, हृ, ख. तुदादिगण - तुद्, मिल्, लिख्, कृष्, प्रच्छ्, सिच्, मृ, स्पृश्। चुरादिगण - चुर्, चिन्त्, भक्ष्, कथ्, गण्, तड्। दिवादिगण - दिव्, कुप्, क्षम्, विद्, नश्, नृत्, बुध्, कुध्, युध्, विद्, मन्, विध्, कुप्। अदादिगण - अस्, अधि + इङ्, दुह्, ब्रू या विद्, शी, स्वृ, रुद्। जुहोत्यादिगण - हु, दा, धा, भी। स्वादिगण - आप्, प्राप्, चि, वृञ्, शक् तथा भ्वादिगण - श्रु। रुधदिगण - छिद्, भुज, युज। तनादिगण - तन्, कृ। क्र्यादिगण - क्री, ग्रह्, ज्ञा, बन्ध्, मन्थ्।	48

		हितोपदेश (पांचवी तथा छठी कथा वर्जित तथा सुहृदभेद)	मित्रलाभ	20
		अमरकोष	द्वितीय काण्ड, सिंहादिवर्ग, ब्रह्मवर्ग पर्यन्त	12
4.	दर्शन	तर्क संग्रह : दीपिका टीका सहित	सम्पूर्ण	40
		ईशावास्योपनिषद्	सम्पूर्ण	15
		श्रीमद्भगवद्गीता	प्रथम तथा द्वितीय अध्याय	25
5.	English	Snap Shot	Complete	80
		Horn Bill	Complete	
6.	1. हिन्दी	अन्तरा – भाग 1	सम्पूर्ण	80
		अन्तराल – भाग 1	सम्पूर्ण	
		अभिव्यक्ति और माध्यम	सम्पूर्ण	
	2. Political Science	Indian Constitution and Political Theory	Complete	80

प्राक्शास्त्री द्वितीय वर्ष

पत्र सं.				
1.	व्याकरण	मध्यसिद्धान्त कौमुदी	गण	35
			प्रक्रियाएँ	15
			कृदन्त	20
			लिंग अनुशासन	10
2.	काव्य नाटक	कुमार सम्भव :–	कुमारसम्भव – प्रथम एवं द्वितीय सर्ग	30
		भारत विजय नाटकम् :–	सम्पूर्ण	25
		काव्यदीपिका	चतुर्थ से अष्टम शिखा तक चतुर्थ से सप्तम शिखा तक तीन में से दो प्रश्न	25
3.	अनुवाद	संस्कृत – गद्य मन्दाकिनी	सम्पूर्ण	30
		अनुवाद – चन्द्रिका	विश्वपा, प्रधी, सुधी, श्री, स्त्री, प्राञ्च्, प्रत्यञ्च्, त्विट्, वणिज्, सम्राज्, स्रज्, समिध्, सीमन्, श्वन्, मघवन्, पूषन्, पथिन्, शर्मन्, अहन्, ककुभ्, गिर्, पुर्, निश् दिवस्, प्रावृष्, चन्द्रमस्, पुम्स्, लघीयस्, श्रेयस्, अप्सरस्, आशिस्, हविस्, अनडुह्, उपानह्,	
			पद्य ज्ञान पूर्ववक वाक्य ज्ञान एवं संस्कृत में अनुवाद	40
			संस्कृत में अपठित और स्वरचित अनुछेद लेखन	5
			संस्कृत में पत्र लेखन	5
4.	दर्शन	श्रीमद्भगवद्गीता	दर्शन, उपनिषद् तथा संस्कृत साहित्य परिचय	24
		कठोपनिषद्	सम्पूर्ण	14
		संस्कृत – साहित्य परिचय	सम्पूर्ण	42
5.	English	Hamingo	Complete	80
		Vistas	Complete	
6.	1. हिन्दी	अन्तरा – भाग 2	सम्पूर्ण	80
		अन्तराल – भाग 2	सम्पूर्ण	
	2. Political Science	Politics in India Since Independence & Contemporary World Politics	Complete	80

SYLLABUS

Year	Course Code	Course type	Course name	Credits	
1st Yr.		Non Sanskrit Subject (English) Equivalent examination of the University as and when they are held.		Any one out of DSC Courses	06
		Non- Sanskrit subject (to be selected from the faculties of languages and Social Sciences) History, Pol-Science, Physical Education, Computer Science, Music, Hindi, etc. Equivalent examination of the University as and when they are held.		Any one out of DSC Courses	06

Compulsory for All

SHT-A-I	Major /core I		व्याकरण (वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी)	06
SHT-A-II	Major /core II		व्याकरण (वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी)	06
SHT-B-I	Major /core I		साहित्य	06
SHT-B-II	Major /core II		साहित्य	06

Any two Groups of the following(Groups once opted in first year will continue upto 3rd year without any change)

SHT-C-I	Major /core I		दर्शन	06
SHT-C-II	Major /core II		दर्शन	06
		अथवा		
SHT-D-I	Major /core I		वेद	06
SHT-D-II	Major /core II		वेद	06
		अथवा		
SHT-E-I	Major /core I		ज्योतिष	06
SHT-E-II	Major /core II		ज्योतिष	06
		अथवा		
SHT-F-I	Major /core I		धर्मशास्त्र	06
SHT-F-II	Major /core II		धर्मशास्त्र	06

शास्त्री प्रथम वर्ष

क्र.सं.	पेपर/पत्र	अनुशंसितग्रन्थ	पेपर कोड	विषय	अंक
1.	व्याकरण	वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी	SHT-A-I	संज्ञा प्रकरण	10 अंक
				परिभाषा प्रकरण	
				संधि-प्रकरण	25 अंक
				षड्लिंग प्रकरण	25 अंक
				शब्दरूप	10 अंक
2.	व्याकरण	वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी	SHT-A-II	कारक प्रकरण	30 अंक
				स्त्री प्रत्यय प्रकरण	20 अंक
				पाणिनीय शिक्षा	20 अंक
3.	साहित्य	अभिज्ञानशाकुन्तलम्	SHT-B-I	1-4 अंक	20 अंक
		हिमाचलवैभवम्		प्रथम सर्ग	20 अंक
		वृत्तरत्नाकर		तृतीय अध्याय	20 अंक
4.	साहित्य	शिवराजविजयम्	SHT-B-II	प्रथम विराम 1-2 निश्वास	30 अंक
		मेघदूत		पूर्वमेघ	20 अंक
		रचनानुवाद			20 अंक
5.	दर्शन	कणादगौतममीयम	SHT-C-I	सम्पूर्ण	70 अंक
6.	दर्शन	सांख्यकारिका	SHT-C-II	सम्पूर्ण	70 अंक
7.	वेद	ऋक्सूक्त संग्रह	SHT-D-I	मण्डल सूक्तसंख्या	50 अंक
				I	85, 154
				II	59
				III	51
				IV	83
				V	53
				VI	49
				VII	90
		ऋग्वेद से सम्बन्धित शाखाओं, ब्राह्मणों, आरण्यकों तथा उपनिषद् ग्रन्थों का परिचय एवं तत्सम्बद्ध वेदांग परिचय			20 अंक
8.	वेद	निरुक्त	SHT-D-II	1, 2, 7 अध्याय	50 अंक
		ऋग्वेदभाष्य भूमिका		वेदांग भाग मात्र	20 अंक
9.	ज्योतिष	बृहदवकहोडा चक्रम	SHT-E-I	सम्पूर्ण	40 अंक
		गोल परिभाषा		सम्पूर्ण	30 अंक
10.	ज्योतिष	ताजिकनीलकण्ठी,	SHT-E-II	ताजिकनीलकण्ठी	70 अंक
11.	धर्मशास्त्र	धर्मसिन्धु	SHT-F-I	1-2 परिच्छेद	70 अंक
12.	धर्मशास्त्र	धर्मसिन्धु	SHT-F-II	तृतीय परिच्छेद (पूर्वार्द्ध)	35 अंक
		मनुस्मृति		1-5 अध्याय	35 अंक
13.	English	The Blossoming Mind Life Unfolded Unit-III, Grammer unseen comprehension	ENGCE-101		70 अंक
14.	हिन्दी	हिन्दी साहित्य का इतिहास	HIND 102		70 अंक
15.	Political Science	Indian Government and Politics	POLS-102		70 अंक

शास्त्री द्वितीय वर्ष

क्र.सं.	पेपर/पत्र	अनुशंसितग्रन्थ	पेपर कोड	विषय	अंक
1.	व्याकरण	वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी	SHT-A-III	भ्वादिगण	30 अंक
				समास प्रकरण	30 अंक
				धातुरूप	10 अंक
2.	व्याकरण	वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी	SHT-A-IV	अदादिगण से चुरादिगण	30 अंक
				प्रक्रिया (णिजन्त, सनन्त, यङन्त, नामधातु, परस्मैपद, आत्मनेपद)	30 अंक
				धातुरूप	10 अंक
3.	साहित्य	उत्तररामचरितम् साहित्य दर्पण	SHT-B-III	1-4 अंक 1,2,3 परिच्छेद (35 से 80 कारिकाओं को छोड़कर) षष्ठ परिच्छेद (47 से 312 कारिकाओं को छोड़कर)	35 अंक 35 अंक
4.	साहित्य	कादम्बरी किरातार्जुनीयम अनुवादचंद्रिका	SHT-B-IV	कथामुखम्, शुकनासोपदेश तक प्रथमसर्ग निबन्ध तथा अनुवाद	30 अंक 20 अंक 20 अंक
5.	दर्शन	योगसार संग्रह मुण्डकोपनिषद्	SHT-C-III	सम्पूर्ण सम्पूर्ण	50 अंक 20 अंक
7.	दर्शन	अर्थसंग्रह	SHT-C-IV	सम्पूर्ण	70 अंक
8.	वेद	शुक्लयजुर्वेद	SHT-D-III	14, 31, 40 अध्याय यजुर्वेद से सम्बन्धित शाखाओं, ब्राह्मणों, आरण्यकों तथा उपनिष्द् ग्रंथों का परिचय एवं तत्सबद्ध वेदांग परिचय	50 अंक 20 अंक
9.	वेद	स्वरप्रक्रियाप्रकाश याज्ञवल्क्यशिक्षा	SHT-D-IV	1 से 4 प्रकाश तक सम्पूर्ण	35 अंक 35 अंक
10.	ज्योतिष	जातकालंकार	SHT-E-III	सम्पूर्ण	70 अंक
11.	ज्योतिष	मुहुर्तचिन्तामणि उडुदाय प्रदीप	SHT-E-IV	संस्कार तथा विवाह प्रकरण सम्पूर्ण	40 अंक 30 अंक
12.	धर्मशास्त्र	याज्ञवल्क्यस्मृति	SHT-F-III	आचाराधयाय एवं व्यवहाराधयाय	70 अंक
13.	धर्मशास्त्र	कर्मठगुरुः निर्णयसिन्धु	SHT-F-IV	पूजा होम प्रकरण प्रथम परिच्छेद, मल्लमासनिरूपण पर्यन्तम्	35 अंक 35 अंक
13.	English	Essays Poetry	ENGCE-201		70 अंक
14.	हिन्दी	आधुनिक हिन्दी कविता	HIND 202		70 अंक
15.	Political Science	Comparative Government & Politics	POLS-201		70 अंक

शास्त्री तृतीय वर्ष

क्र.सं.	पेपर/पत्र	अनुशंसितग्रन्थ	पेपर कोड	विषय	अंक
1.	व्याकरण	वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी	SHT-A-V	कृदन्त प्रकरण	40 अंक
				महाभाष्य (प्रथम आह्निक)	20 अंक
				लिंगानुशासनम्	10 अंक
2.	व्याकरण	वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी	SHT-A-VI	तद्धित प्रकरण	40 अंक
				उणादि प्रकरण	30 अंक
3.	साहित्य	संस्कृत साहित्य का इतिहास	SHT-B-V	भवभूति, दण्डी, बाल्मीकि, भट्नारायण, भारवि, जयदेव, अश्वघोष, वाणभट्, भास, माघ, सुबन्धु, कालिदास, विशाखादत्त, राजशेखर)	40 अंक
		नैषधीयचरितम्		प्रथमसर्ग	30 अंक
4.	साहित्य	काव्यप्रकाश	SHT-B-VI	1, 2, 3, 4, 8, 9, 10 उल्लास	70 अंक
5.	दर्शन	वेदान्त सार	SHT-C-V	सम्पूर्ण	50 अंक
		माण्डूक्योपनिषद्		सम्पूर्ण	20 अंक
6.	दर्शन	नास्तिक दर्शन	SHT-C-VI	जैन बौद्ध तथा चार्वाक	40 अंक
		भारतीय दर्शने अध्यात्मविवेचनम्		सम्पूर्ण	30 अंक
7.	वेद	अथर्ववेद	SHT-D-V	सायणभाष्य भूमिसूक्त	50 अंक
				अथर्ववेद से सम्बन्धित शाखाओं, ब्राह्मणों, आरण्यकों तथा उपनिषद् ग्रन्थों का परिचय एवं तत्सम्बद्ध)	20 अंक
				वेदांग परिचय	
8.	वेद	वैदिक साहित्य का इतिहास	SHT-D-VI	सम्पूर्ण	35 अंक
		पारस्करगृहसूत्रम्		1 से 3 काण्ड	35 अंक
9.	ज्योतिष	बृहज्जातकम्	SHT-E-V	1 से 6 अध्याय तक	40 अंक
		भारतीयज्योतिषशास्त्रस्य इतिहास:		सम्पूर्ण	30 अंक
10.	ज्योतिष	सूर्यसिद्धान्त:	SHT-E-VI	चन्द्रग्रहण अधिकार तक	70 अंक
11.	धर्मशास्त्र	निर्णयसिन्धु:	SHT-F-V	प्रथम परिच्छेद, पक्ष निर्णयत: खण्डतिथिलक्षणपर्यन्तम्)	35 अंक
		मनुस्मृति		6 - 10 अध्याय	35 अंक
12.	धर्मशास्त्र	पाराशरस्मृति	SHT-F-VI	प्रायश्चित्ताध्याय	70 अंक
13.	English	Soft Skills	ENG DSE-303		70 अंक
14.	हिन्दी	छायावादोत्तर हिन्दी कविता	HIND 306		70 अंक
15.	Political Science	Democracy and Governance	POLS-306 (A)		70 अंक

वार्षिक परीक्षा एवम् गृह परीक्षा

1. प्राक् शास्त्री - I से शास्त्री - III वर्ष की सभी वार्षिक परीक्षाओं का संचालन विश्वविद्यालय द्वारा ही होता है। परीक्षाओं के फार्म विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित तिथियों में Online प्रक्रिया से भरे जाते हैं।
2. प्रत्येक परीक्षा फार्म भरने हेतु कक्षा में कुल उपस्थितियों का 75 प्रतिशत होना आवश्यक है।
3. वार्षिक प्रक्रिया में किसी भी कक्षा में कम्पार्टमैंट् छात्र अक्तूबर मास में अनुपूरक (सप्लिमैंटरी) परीक्षा में बैठ सकता है।
4. प्राक् शास्त्री - I तथा शास्त्री - I में नए प्रविष्ट छात्रों को विश्वविद्यालय में पञ्जीकरण (रजिस्ट्रेशन) करवाना आवश्यक है।
5. किसी भी बाहरी बोर्ड/विश्वविद्यालय की परीक्षा उत्तीर्ण करके प्रवेश लेने वाले छात्र को उक्त विश्वविद्यालय/बोर्ड् से माईग्रेशन प्रमाण पत्र लाकर देना आवश्यक है तभी सरदार पटेल विश्वविद्यालय मण्डी में उसका पञ्जीकरण होगा। पञ्जीकरण होने पर ही उसका प्रवेश स्थायी होगा।
6. अन्त: मूल्यांकन (Internal Assessment) प्राक् शास्त्री प्रथम वर्ष एवं द्वितीय वर्ष के लिए 20 अंक तथा शास्त्री कक्षाओं के लिए 30 अंक प्रति विषय होगा।
7. अन्त: मूल्यांकन महाविद्यालय में उपस्थिति, विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियो में सहभागिता तथा गृह परीक्षा के प्राप्तांकों के आधार पर किया जायेगा।

महाविद्यालयीय छात्र केन्द्रीय परिषद्

महाविद्यालयीय छात्र केन्द्रीय परिषद् (CSCA) "संस्कृत-संस्कृति छात्र कल्याण परिषद्" (शारदा छात्र संघ) का गठन विश्वविद्यालय के नियमों के अनुसार सत्र के प्रारम्भ में निर्धारित तिथि को किया जाता है। छात्रों में नेतृत्व क्षमता को विकसित करने, कलात्मक प्रतिभा विकास, शारीरिक सौष्ठव, बौद्धिक-मानसिक-चारित्रिक विकास तथा छात्र-कल्याण के उन्नयन हेतु इस छात्र परिषद् का गठन किया जाता है। इसके तत्त्वावधान में पाक्षिक/मासिक छात्र संगोष्ठियाँ, वार्षिक क्रीड़ा तथा सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है, जिनमें समस्त छात्रों की उपस्थिति अनिवार्य होती है। विश्वविद्यालय की अधिसूचना के पश्चात् पूर्व कक्षा की अंक वरीयता (Merit Marks) के आधार पर ही सर्वसम्मति से महाविद्यालयीय छात्र केन्द्रीय परिषद् (CSCA) का गठन होगा।

प्राध्यापक अभिभावक संघ (PTA LOCAL)

महाविद्यालयीय प्राध्यापकों तथा छात्रों के अभिभावकों (माता-पिता) के सामूहिक संगठन 'प्राध्यापक अभिभावक संघ' (PTA) का गठन प्रतिवर्ष छात्रों के प्रवेश के तुरन्त पश्चात् किया जाता है जो निरन्तर सहयोग के साथ-साथ महाविद्यालय में प्राध्यापकों की कमी को भी पूरा करता रहा है ताकि छात्रों की पढ़ाई बाधित न हो सके। प्रवेश के तत्काल पश्चात् इसका गठन करके महाविद्यालय/छात्र हित में इसके सहयोग की अपेक्षा रहेगी।

पाठ्येतर गतिविधियाँ, क्रीड़ा तथा सांस्कृतिक प्रतियोगिताएँ

1. छात्रों में पारस्परिक सद्भाव के साथ-साथ प्रतिस्पर्धात्मक भावना को सुदृढ़ करने तथा विभिन्न कार्यक्रमों, सामाजिक, वैयक्तिक तथा चारित्रिक विकास की दृष्टि से विभिन्न क्रीड़ा तथा सांस्कृतिक गतिविधियों में सकारात्मक रूप से जोड़ा जाता है। क्रीड़ा प्रतियोगिताएँ अक्तूबर में तथा भाषणादि सांस्कृतिक प्रतियोगिताएँ नवम्बर मास में आयोजित की जाएंगी।
2. विश्वविद्यालय द्वारा आयोज्य अन्तः महाविद्यालयीय क्रीड़ा तथा सांस्कृतिक प्रतियोगिताएँ उनके द्वारा निर्दिष्ट तिथियों में आयोजित होंगी।
3. क्रीड़ा गतिविधियों में वॉलीबॉल, कबड्डी, बैडमिन्टन, क्रिकेट, एथलैटिक्स आदि की समुचित व्यवस्था विद्यमान है।

पुरस्कार वितरण समारोह

महाविद्यालय में पुरस्कार वितरण समारोह वर्ष में एक बार आयोजित किया जाता है। जिसमें निम्न छात्रों को पुरस्कृत करते हैं :-

1. विश्वविद्यालय की मैरिट में स्थान पाने वाले छात्र ।
2. वार्षिक परीक्षा प्रथम-द्वितीय आने वाले छात्र ।
3. महाविद्यालय में आयोजित वॉलीबॉल आदि क्रीड़ा तथा सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय स्थान पाने वाले।
4. विश्वविद्यालय द्वारा आयोज्य तथा अन्तर्राज्यीय क्रीड़ा एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में स्थान पाने वाले छात्र।
5. प्रत्येक कक्षा में सर्वाधिक उपस्थिति तथा सर्वोत्तम अनुशासित छात्र ।
6. महाविद्यालयीय पत्रिका, सामाजिक कार्य, स्वच्छता, रक्तदान, वन महोत्सव आदि कार्यों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले छात्र तथा स्काऊट् गाईड् छात्र-छात्राएँ।
7. विभिन्न महाविद्यालयीय कार्यों में सर्वोत्तम सहयोग/कार्य करने वाले छात्र।
8. शास्त्री अन्तिम वर्ष के सर्वतोभावेन-सर्वोत्तम छात्र-छात्रा ।
9. सर्वश्रेष्ठ छात्र को ''स्वर्णपदक'' कर्नल बी.एस.आर. राघव जी के द्वारा प्रदान किया जाता है।

अनुशासन तथा तत्सम्बन्धी नियम

1. महाविद्यालय में किसी भी कालांश (पीरियड) में लगातार 10 दिन अनुपस्थित रहने वाले छात्र का नाम महाविद्यालय से काट दिया जाएगा। विशेष परिस्थिति में पिता-माता की व्यक्तिगत उपस्थिति तथा 100/- पुनः प्रवेश शुल्क तथा दूसरी बार 200/- के साथ अतिरिक्त विशेष दण्ड के साथ ही पुनः प्रवेश मिल सकेगा।
2. महाविद्यालय/छात्रावास परिसर में मदिरा आदि मादक पदार्थों का सेवन या अपने पास रखना दण्डनीय अपराध होगा। ऐसे छात्र को तत्काल निष्कासित करके अग्रिम कार्यवाही हेतु उसके घर तथा पुलिस को सूचित कर दिया जाएगा।
3. महाविद्यालय परिसर में मोबाइल लाना/रखना/करना/सुनना अनुशासनहीनता माना जाएगा। मोबाइल जब्त होने पर अर्थदण्ड सहित कार्यवाही की जाएगी।
4. नाम कटने/अनपेक्षित गतिविधि/गृह-वार्षिक परीक्षाओं की रिपोर्ट माता-पिता को समयानुसार प्रेषित की जाएगी।

पुस्तकालय सम्बन्धी नियम

1. सत्र प्रारम्भ होते ही सभी कक्षाओं के छात्र पुस्तकालय में उपलब्धता के आधार पर पाठ्यक्रम सम्बन्धी पुस्तकें प्राप्त कर सकते हैं। जिन्हें 15 दिन में वापिस या (Renew) करवाना आवश्यक होगा। अन्यथा 1/- प्रतिदिन (प्रति पुस्तक) के आधार पर दण्ड लगेगा।
2. छात्र अध्ययन हेतु अन्य पुस्तकें भी ले सकता है। जिन्हें समय पर वापिस करना आवश्यक होगा। सन्दर्भ/दुर्लभ पुस्तकें पुस्तकालय में ही पढ़ी जा सकेंगी।
3. वार्षिक/End Semester Examination से पूर्व सभी पुस्तकें पुस्तकालय में जमा करवानी होंगी।
4. सत्र समाप्ति के एक वर्ष के भीतर पुस्तकालय रक्षाधन वापिस लिया जा सकेगा। तत्पश्चात् इसे लैप्स माना जाएगा तथा वापिस नहीं होगा।
5. पुस्तकों को स्वच्छ, सजिल्द रखना छात्र का दायित्व होगा। कटने/फटने/गन्दा करने की अवस्था में नई पुस्तक या पुस्तक का वर्तमान मूल्य दण्ड सहित देय होगा।

छात्रावास तत्सम्बन्धी नियम

1. महाविद्यालय के जनजातिय कन्या छात्रावास में 56 छात्राओं के रहने की व्यवस्था है। जिनमें आवास के अतिरिक्त बिजली/पानी/सफाई आदि की व्यवस्था का व्यय निर्धारित शुल्क के रूप में प्रवेश के समय देय होगा।
2. भोजन व्यवस्था छात्रावास परिसर में उपलब्ध है।
3. छात्रावास परिषद् छात्रावासाध्यक्ष को सभी व्यवस्थाओं के सञ्चालन में सहयोग करेगी।
4. मादक/अभक्ष्य पदार्थों का सेवन तथा अपने पास रखना सर्वथा वर्जित होगा। दोषी छात्र/छात्रा को तत्काल निष्कासित/दण्डित किया जाएगा।
5. किसी भी बाह्य व्यक्ति महिला/पुरुष को कमरे में लाना/रखना वर्जित है। केवल माता-पिता छात्रावासाध्यक्ष की अनुमति से दिन में ही मिल सकते हैं।
6. किसी अन्तः/बाह्य छात्र/छात्रा की रैगिंग करने तथा अन्य अनैतिक आचरण में लिप्त/दोषी छात्र-छात्रा को तत्काल निष्कासित करके कानूनी कार्यवाही हेतु मामला प्रेषित किया जाएगा।
7. छात्रावास से बाहर जाने हेतु छात्रावासाध्यक्ष की अनुमति तथा पूरे दिन/दिनों के लिए लिखित अनुमति/अवकाश लेना आवश्यक होगा। बिना अनुमति के बाहर गये/गई छात्र/छात्रा को दण्डित अथवा निष्कासित किया जा सकता है।
8. शरद् ऋतु में सायं 7 बजे के पश्चात् तथा ग्रीष्म ऋतु में 8 बजे के पश्चात् छात्रावास के बाहर जाना/रहना दण्डनीय अपराध माना जाएगा।
9. छात्रावास प्रार्थना सभा में सभी छात्राओं की उपस्थिति अनिवार्य होगी।
10. छात्रावास में हर वर्ष नया प्रवेश दिया जाता है। सत्रान्त में वार्षिक परीक्षा के पश्चात् छात्रावास छोड़ना होगा।

यू.जी.सी. रैगिंग् अधिनियम 2009

1. **प्रस्तावना :** माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्देशों के मद्देनजर दिनांक 8-5-2009 और केन्द्र के निर्धारण के विचार में सरकार और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग को प्रतिबंधित करने के लिए, रोकने और रैगिंग का संकट खत्म करने के निर्देश जारी किये गए हैं।
2. **उद्देश्य :** विश्वविद्यालयों से अपने सभी रूपों में रैगिंग खत्म करने, देश में जितने भी विश्वविद्यालय और अन्य उच्च शिक्षण संस्थान हैं, उन्हें इन विनियमों के तहत रैगिंग की हर तरह की, घटनाओं को रोकने का जोर लगाना होगा और जो रैगिंग में भाग लेगा उसे रैगिंग के विनियमों के अनुसार दण्डित किया जायेगा।

   1. कोई भी आचरण किसी भी छात्र या छात्रों द्वारा, चाहे शब्दों द्वारा बोली जाने वाली या लिखित या जिससे चिढ़ाने, अशिष्टता या कोई गलत हरकत का प्रभाव पड़ता हो, चाहे फिर वो कोई नया छात्र हो या पुराना, रैगिंग ही माना जायेगा।

   2. कोई भी नया छात्र पुराने छात्र या छात्रों द्वारा उपद्रवी या अनुशासनहीन गतिविधियों का शिकार बनता है या उनकी किसी भी हरकत से झुंझलाहट, कठिनाई, शारीरिक परेशानी या मनोवैज्ञानिक नुकसान, भय या आशंका तत्सम्बन्धी पैदा होने की संभावना हो तो इन हरकतों को रैगिंग का दर्जा दिया जा सकता है।

   3. किसी भी छात्र को कोई भी ऐसा कार्य करने को कहना जिससे उसे पीड़ा या शर्मिन्दगी की भावना का सामना करना पड़े, या छात्र की मानसिकता पर प्रतिकूल असर हो।

4. एक वरिष्ठ छात्र द्वारा किसी भी नवीन छात्र या अन्य छात्र के नियमित शैक्षिक गतिविधि को बाधित, या परेशान करने वाला कार्य।
5. कोई भी ऐसी हरकत जो वरिष्ठ छात्रों द्वारा किसी भी नए छात्र या अन्य छात्रों पर जबरन वित्तीय वसूली या सशक्त खर्च बोझ का कोई भी भार डाले।
6. **शारीरिक शोषण के सभी प्रकार :** यौन शोषण का कोई भी अधिनियम, समलैंगिक हमले, अलग करना, अश्लील और भद्दा कृत्य, इशारों द्वारा मजबूर व्यक्ति को शारीरिक या स्वास्थ्य नुकसान या किसी अन्य खतरे का कारण।

विद्यालयः सुन्दरनगरम्

राजकीय-संस्कृत-महाविद्यालयः सुन्दरनगरम्

राजकीय-संस्कृत-महाविद्यालयः सुन्दरनगरम्

राजकीय-संस्कृत-महाविद्यालयः सुन्

राजकीय-संस्कृत-महाविद्यालयः सुन्दरनगरम्

महाविद्यालयीय समितियाँ (College Committee)

आन्तरिक गुणवता व मूल्यांकन प्रकोष्ठ (IQAC)

डॉ. खुशवन्त सिंह (अध्यक्ष), डॉ. सुशील गौतम, डॉ. तिलक राज, डॉ. मनजीत कुमार, श्रीमती वन्दना कुमारी, डॉ. रोहित कुमार

महिला यौन उत्पीड़न निवारण समिति (Women Sexual Harassment Committee)

श्रीमती वन्दना कुमारी (समन्वयक), श्रीमती इन्दिरा शर्मा (समाज सेविका), डॉ. सुशील गौतम, डॉ. मनजीत कुमार

एंटी रैगिंग समिति (Anti Ragging Committee)

डॉ. सुशील गौतम, डॉ. तिलक राज, डॉ. मनजीत कुमार

महाविद्यालय अनुशासन समिति (College Disciplinary Committee)

डॉ मनजीत कुमार, डॉ. तिलक राज, डॉ. रोहित कुमार

महाविद्यालय प्रवेश समिति (Admission Committee)

डॉ. सुशील गौतम, डॉ. तिलक राज, डॉ. मनजीत कुमार, श्रीमती वन्दना कुमारी, डॉ. रोहित कुमार

महाविद्यालय सलाहकार समिति (College Advisory Committees)

डॉ. सुशील गौतम, डॉ. तिलक राज, डॉ. मनजीत कुमार, श्रीमती अरूणा शर्मा

Contact Details

Govt. Sanskrit College, Sunder Nagar, Distt. Mandi (H.P.)-175019
Phone : 01907-262510, 265510
E-mail : gscsundernagarhp@gmail.com
Website : www.gscsundernagar.in

मूल्य / Price – ₹100